

Послѣ продължава се за имя то на богове тѣ:

Σω. Τοίνυνδε τοίνυν ἔγωγε ὑποπτεύω· φαίνονται μοι οἱ πρῶτοι τῶν ἀνθρώπων τῶν περὶ τὴν Ἑλλάδα τούτους μόνους θεοὺς ἡγεῖσθαι, οὓς περ νῦν πολλοὶ τῶν βαρβάρων, ἥλιον καὶ σελήνην καὶ γῆν καὶ ἄστρα καὶ οὐρανόν· ἅτε γοῦν αὐτὰ δρῶντες πάντα αἰεὶ ἰόντα δρόμῳ καὶ θέοντα, ἀπὸ ταύτης τῆς φύσεως τῆς τοῦ θεῖν, θεοὺς αὐτοὺς ἐπονομάσαι. . . .

Сокр. Такова убо нѣшто ась сѣмнѣвамъ. Вижда ми ся чи първи тѣ чловѣци въ Еладж сж мыслили за богове само тыя кои то сега и многи отъ варвары тѣ (неелени тѣ), слынце то и лунж тж, земж тж, звѣзды тѣ и небо то. А зашто то сж глѣдали сичкы тѣ тыя чи ся движжтъ и тичжтъ, отъ това естество на тиченье то, казвали гы богове (θεῖν=тичяти, θεός=тичяштый)...

Заблѣшка. Тукъ Платонъ право говори чи стари тѣ жители на Еладж сж имали исты тѣ богове съ варвары тѣ, отъ кои то сж гы приѣли, а отъ послѣ прибавили и други. Нѣ произведение то на θεός отъ θεῖν=тичати, никакъ не е право. Тѣя рѣчь е иста съ Дев, Девс, θεός, θεός, измянено, какъ то другагѣ ж разіаснихме.

Послѣ другагѣ говори:

Ἑρμ. Τὶ δὲ τὸ πῦρ τε καὶ τὸ ὕδωρ; Σω. Τὸ πῦρ ἀπορῶ, καὶ κινδυνεύει ἤτοι ἢ τοῦ Εὐθύφρονός με μοῦσα ἐπιλελοιπέναι, ἢ τοῦτ' ἐπαγγάλεπον εἶναι· σκέψαι οὖν ἦν εἰσάγω μηχανὴν ἐπὶ πάντα τὰ τοιαῦτα, ἃ ἂν ἀπορῶ. Ἑρμ. Τίνα δὴ; Σω. Ἐγὼ σοι ἐρῶ· ἀποκρίναι γάρ μοι· ἔχοις ἂν εἰπεῖν πῦρ, κατὰ τίνα τρόπον καλεῖται; Ἑρμ. Μα Δί' οὐκ ἔγωγε. Σω. Σκέψαι δὴ δ' ἔγω ὑποπτεύω περὶ αὐτοῦ· ἐννοῶ γάρ ὅτι πολλὰ οἱ Ἕλληνες ὀνόματα, ἄλλως τε καὶ οἱ ὑπὸ τοῖς βαρβάροις οἰκοῦντες, παρὰ τῶν βαρβάρων εἰλήφασιν. Ἑρμ. Τὶ οὖν δὴ; Σω. Εἴ τις ζητοῖ ταῦτα κατὰ τὴν ἐλληνικὴν φωνὴν ὡς εἰοικότως κεῖται, ἀλλὰ μὴ κατ' ἐκείνην, ἐξ ἧς τὸ ὄνομα, τυγχάνει ὄν, οἶσθα ὅτι ἀποροῖ ἂν. Ἑρμ. Εἰκότως γε. Σω. Ὅρα τοίνυν καὶ τοῦτο τὸ ὄνομα τὸ πῦρ μὴ τι βαρβαρικὸν ἦ· τοῦτο γάρ οὔτε ῥάδιον προσάψαι ἐστὶν Ἑλληνικῇ φωνῇ, φανεροὶ τ' εἰσιν οὕτως αὐτὸ καλοῦντες Φρύγες, σμικρὸν τι παρακλίνοντες, καὶ τὸ γε ὕδωρ, καὶ τὰς κύνας, καὶ ἄλλα πολλὰ. Ἑρμ. ἔστι ταῦτα. Σω· οὐ τοίνυν δεῖ ταῦτα προσβιάζεσθαι, ἐπεὶ ἔχοι γ' ἂν τις εἰπεῖν περὶ αὐτῶν· τὸ μὲν οὖν πῦρ καὶ τὸ ὕδωρ ταύτῃ ἀπωθοῦμαι.

—Ἑρμ. А какъ е названо пур (огня) и ὕδωρ (вода та)? Сокр. За огня не знаж и види ся или чи Евтифронова та муса не ми вджхнува или чи е твърдѣ мжчна тага рѣчь. Вишъ убо колко затруднение полагамъ за сичкы тыя, кои то не знаж. Ермог. За кои? Сокр. Азъ штж ти кажжъ, а ты ми отвѣштай; можиишъ ли ми каза рѣчь та огонь на кой начинъ е названа? Ермог. Бога ми не можж. XXV. Сокр, Вишъ што мысльж азъ за неж: Разумѣвамъ чи Елени тѣ сж зѣли много рѣчы отъ варвары тѣ, а най-паче оныя кои то сж живѣли под-властни варварамъ, Ермог. Што убо съ това? Сокр. ако бы искалъ нѣкой